Course wise Content Details for Undergraduate Programme
B.A. Sanskrit (Hon. with Research) (Multidisciplinary)
Multidisciplinary Course (MDC)

Semester	**I**
Name of Course	**योगपरिचयः योगाभ्यासश्च Introduction to Yoga & Practice**
Course Code	**BA/MD/SKT/1/MDC/101**
Total Credits	**03**
Total Marks	**75**
Internal Assessment	**25**
Presentation	**50**
Time	**3 Hrs.**

उद्देश्य(Objectives)-

- विद्यार्थी को योग एवं यौगिक पद्धतियों, यौगिक ग्रंथों से परिचय करवाना ।
- योग अभ्यासों से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चारण, सूक्ष्म व्यायाम, के महत्त्व से अवगत करना ।
- योग अभ्यासों के क्रियात्मक पक्ष को सावधानीपूर्वक सिखाना ।

अधिगम प्रतिफल (Learning Outcomes)-

1 विद्यार्थी योग के अर्थ, उत्पत्ति, इतिहास आदि आधारभूत तत्त्वों से अवगत हो सकेंगे ।
2 मंत्रोच्चारण, सूक्ष्म अभ्यास में निपुण होगें ।
3 सूर्य-भूमि नमस्कार करने में अभ्यस्त होगें ।शरीर स्थिरता हेतु विभिन्न आसनों का अभ्यास करना।

For Presentation/ Practical Exam:

Note: For end term examination, each candidate will be given 30 minutes for Presentation/practical performance as per the following syllabus:

पाठ्यवस्तु(Contents):

घटक-1

- योग का अर्थ, परिभाषा, इतिहास व स्वरुप ।योगी का व्यक्तित्व और योग का महत्त्व ।आधुनिक युग में योग की उपयोगिता । योग के प्रकार : राजयोग, ज्ञानयोग, भक्तियोग, कर्मयोग, अष्टांग-योग, हठयोग ।महर्षि पतंजलिका सामान्य परिचय ।

घटक-2

- मंत्रोच्चारण, प्रार्थना, सूक्ष्म व्यायाम (ग्रीवा, स्कंध, धड़, कटि, घुटना, टखना, गुल्फ नमन)पवन मुक्तासन भाग-1, भाग –2,सूर्य नमस्कार।

घटक-3विभिन्न आसनों का परिचय -

- **खड़े होकर**- ताड़ासन, तिर्यक ताड़ासन, कटिचक्रासन, अर्द्धचक्र, पादहस्तासन, त्रिकोणासन, पार्श्वकोणासन, वीरभद्रासन।
- **बैठकर**- दण्डासन, सिद्धासन, पद्मासन, योगमुद्रासन, गोमुखासन, उष्ट्रासन, पश्चिमोत्तानासन, पूर्वोत्तानासन।
- **पेट के बल लेटकर**- भुजंगासन, शलभासन, धनुरासन, मकरासन।
- **पीठ के बल लेटकर**- शवासन, हलासन, सर्वांगासन, चक्रासन, मत्स्यासन ।

सन्दर्भग्रन्थ(Refernce Books) :

- योग-विज्ञानम्- आचार्य बालकृष्ण, दिव्य प्रकाशन
- योग महाविज्ञान- डॉ. कामाख्या कुमार
- योग विज्ञान- स्वामी योगेश्वरानंद सरस्वती,
- वेदों में योग विद्या- स्वामी दिव्यानंद ।
- योग सामान्यज्ञान- स्वामी रामदेव, दिव्य प्रकाशन
- योग मनोविज्ञान- शांति प्रकाश आत्रेय
- भारतीय दर्शन की रुपरेखा- प्रो. हरिंद्र सिन्हा ।
- भारतीय योगियों का परिचय- विश्वनाथ मुखर्जी ।
- कल्याण योगांक- गीताप्रेस गोरखपुर ।
- उपनिषदों में योग- डॉ. ईश्वरभारद्वाज,
- ईश आदि नौ उपनिषद्- गीताप्रेस गोरखपुर ।
- छान्दोग्य उपनिषद्- गीताप्रेस गोरखपुर ।
- बृहदारण्यक उपनिषद्- गीताप्रेस गोरखपुर
- हठप्रदिपिका- कैवल्यधाम
- घेरण्ड संहिता- कैवल्यधाम
- आसन-प्राणायाम-मुद्राबंध- योग पब्लिकेशन ट्रस्ट, मुंगेर।
- घेरण्ड संहिता- योग पब्लिकेशन ट्रस्ट, मुंगेर।
- यौगिक सूक्ष्म व्यायाम- स्वामी धीरेन्द्र ब्रह्मचारी।

Course wise Content Details for Undergraduate Programme
B.A. Sanskrit (Hon. with Research) (Multidisciplinary)
Skill Enhancement Courses (SEC)

Semester	**I**
Name of Course	**संस्कृतगायनम्Sanskrit Singing**
Course Code	**BA/MD/SKT/1/MDC/102**
Total Credits	**03**
Total Marks	**75**
Internal Assessment	**25**
Presentation	**50**
Time	**3 Hrs.**

फलश्रुतिः (Course Objectives)

- संस्कृतभाषायां वैदिकमन्त्राणां श्लोकानां गीतानां अनुदितगीतानां च गायने योग्यतासम्पादनम् ।

फलावाप्तिः (Course Learning Outcomes)

- वैदिकमन्त्राणां संस्कृतश्लोकानां च गायने समर्थाः भविष्यन्ति ।
- संस्कृतगीतानां गायने समर्थाः भविष्यन्ति ।
- आधुनिकचलचित्रगीतानां संस्कृतानुवादं कर्तुं गायने च पारङ्गताः भविष्यन्ति।

For Presentation/ Practical Exam:

- **Note:** For end term examination, each candidate will be given 30 minutes for Presentation/practical performance as per the following syllabus:

पाठ्यवस्तु (Content)

घटक – 1 प्रमुखछन्दः सु वैदिकमन्त्राणां संस्कृतश्लोकानां च गायनाभ्यासः।

घटक – 2 संस्कृतगीतानां गायनाभ्यासः।

घटक – 3 आधुनिकचलचित्रगीतानां संस्कृतानुवादेन सह गायनाभ्यासः।

अनुशंसितग्रन्थाः -

- गेयसंस्कृतम्, प्रकाशकः – संस्कृतभारती।
- गीत-संस्कृतम्, प्रकाशकः – संस्कृत भारती ।
- गेयगीतमञ्जरी, प्रकाशकः – संस्कृत भारती ।
- वार्तावली (डी. डी. न्यूजद्वारा प्रसारित) आधुनिकचलचित्रगीतानां संस्कृतानुवादः, Episode 1-100 (You tube पर उपलब्ध)
- वैदिकछन्दोमीमांसा , पं. युधिष्ठिरमीमांसक , रामलाल कपूर ट्रस्ट , सोनीपत ।
- छन्दशास्त्रम् , पिंगल , हलायुधभट्टकृत मृतसंजीवनी व्याख्या एवं वृतिसहित ,चौखम्बा ओरियान्टालिया, वाराणसी
- वृत्तरत्नाकरः, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली

Course wise Content Details for Undergraduate Programme
B.A. Sanskrit (Hon. with Research) (Multidisciplinary)
Multidisciplinary Course (MDC)

Semester	**II**
Name of Course	**वैदिकगणितम् (Vedic Mathematics)**
Course Code	**BA/MD/SKT/2/MDC/103**
Total Credits	**03**
Total Marks	**75**
Internal Assessment	**25**
Theory	**50**
Time	**3 Hrs.**

फलश्रुतिः (Course Objectives) -

- भारतीय-प्राचीन-गणितशास्त्रस्य ऐतिहासिकं ज्ञानसम्पादनम्।
- वैदिक-गणितस्य उपयोगिता महत्त्वं च अवबोधनार्थम् ।

फलावाप्तिः (Course Learning Outcomes) -

1 प्राचीन-गणितशास्त्र का ऐतिहासिक परिचय होगा ।
2 प्राचीन-गणितज्ञों का सामान्यपरिचय होगा।
3 वैदिक-गणित के सामान्य नियमों से अवगत होगें।

पाठ्यवस्तु(Content) –

घटकम् - 1. संस्कृत परम्परा में गणितशास्त्र का संक्षिप्त परिचय –

1.1 वैदिक काल में गणित : ऋग्वेद में गणित, यजुर्वेद में गणित, सामवेद में गणित, अथर्ववेद में गणित ।
1.2 ब्राह्मण ग्रन्थों में गणित ।
1.3 उपनिषदों में गणित ।
1.4 वेदाङ्गों में गणित ।
1.5 रामायण, महाभारत व पुराणों मे गणित ।

घटकम् - 2. प्राचीन भारतीय गणितज्ञों का सामान्य परिचय –

1.1 वररूचि
1.2 आर्यभट्ट प्रथम
1.3 वराहमिहिर
1.4 आर्यभट्ट द्वितीय
1.5 भास्कराचार्य

घटकम् - 3. वैदिक गणित – भारतीकृष्णतीर्थ विरचित वैदिक गणित (1 से 16 सूत्र) ।
आर्यभट्टप्रणीतम् आर्यभट्टीयम्–गीतिकापाद(सम्पूर्ण), गणितपाद(1 से 5 पद्य) ।
गणितशास्त्र में पारिभाषिक शब्दावली – बीजगणित, कलन, संख्या, अंक, शून्य, अनन्त, दशमलव, वर्ग एवं
वर्गमूल, घन एवं घनमूल ।

प्रश्नपत्रनिर्माणार्थं निर्देशाः-

- **Note for the Paper Setter:** The question paper will consist of seven questions in all. The first question will be compulsory and will consist of four short questions of 2 mark each covering the whole syllabus. In addition, six more questions of 14 marks each will be set unit-wise comprising of two questions from each of the two units. The candidates are required to attempt one compulsory question and two more questions selecting at least one question from each unit.

- प्रश्नपत्रस्य निर्माणं **संस्कृतमाध्यमेन** भवेत्।
- **प्रथम-घटकाश्रिताःप्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन** एव समाधेयाः अन्यथा सर्वथा अङ्कहानिः भविष्यति। अन्ये संस्कृत/हिन्दी/आङ्गलभाषा-माध्यमानां केनापि एकेन माध्यमेन समाधातुं शक्यन्ते।

Course Credits	**Number of units in a course**	**Total questions to be set by the Examiner**	**One compulsory question (parts x marks)**	**For descriptive questions (questions x marks)**	**Maximum Marks**
4	4	1+8	7x2	4x14	70
3	**3**	**1+6**	**4x2**	**3x14**	**50**
2	2	1+4	7x1	2x14	35

सन्दर्भ पुस्तकें -

1 संस्कृत वाङ्गमय में गणितीय परम्परा, डा॰ दया शंकर तिवारी, विद्यानिधि प्रकाशन, दिल्ली, 2017 ।

2 वैदिक गणित, भारतीकृष्णतीर्थकृत्, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2005 ।

3 प्राचीन भारतीय गणित, बलदेव उपाध्याय, विज्ञान भारती, दिल्ली, 1971 ।

4 प्राचीन भारतीय गणित की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक झलकियां, राधाशरण गुप्त, NCERT, Delhi, 1997।

Course wise Content Details for Undergraduate Programme
B.A. Sanskrit (Hon. with Research) (Multidisciplinary)
Multidisciplinary Course (MDC)

Semester	**II**
Name of Course	**संस्कृतसाहित्ये पर्यावरणविज्ञानम्**Environmental Sciencein Sanskrit Literature
Course Code	**BA/MD/SKT/2/MDC/104**
Total Credits	**03**
Total Marks	**75**
Internal Assessment	**25**
Theory	**50**
Time	**3 Hrs.**

फलश्रुतिः (Course Objectives)

- वैदिकवाङ्गमये निहितं पर्यावरणविज्ञानस्य सामान्यः अवबोधः ।
- लौकिकसंस्कृतवाङ्गमये निबद्धं पर्यावरणसंरक्षणं प्रति जागरणम् ।

फलावाप्तिः (Course Learning Outcomes)

- छात्राःसंस्कृत वाङ्मये उक्तपर्यावरणसंरक्षणोपायानुसारं पर्यावरणचिन्तनं करिष्यन्ति ।

पाठ्यवस्तु (Content)

घटक – 1 वैदिकवाङ्गमये पर्यावरणविज्ञानं पर्यावरणसंरक्षणोपायाश्च।

घटक – 2 रामायण-महाभारत-पुराणादिषु पर्यावरणविज्ञानं पर्यावरणसंरक्षणोपायाश्च।

घटक – 3 लौकिकसंस्कृतवाङ्गमये पर्यावरणसंरक्षणोपायाश्च।

प्रश्नपत्रनिर्माणार्थं निर्देशाः-

- **Note for the Paper Setter:** The question paper will consist of seven questions in all. The first question will be compulsory and will consist of four short questions of 2 mark each covering the whole syllabus. In addition, six more questions of 14 marks each will be set unit-wise comprising of two questions from each of the two units. The candidates are required to attempt one compulsory question and two more questions selecting at least one question from each unit.

- प्रश्नपत्रस्य निर्माणं **संस्कृतमाध्यमेन** भवेत्।
- **प्रथम-घटकाश्रिताःप्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन** एव समाधेयाः अन्यथा सर्वथा अङ्कहानिः भविष्यति। अन्ये संस्कृत/हिन्दी/आङ्गलभाषा-माध्यमानां केनापि एकेन माध्यमेन समाधातुं शक्यन्ते।

Course Credits	**Number of units in a course**	**Total questions to be set by the Examiner**	**One compulsory question (parts x marks)**	**For descriptive questions (questions x marks)**	**Maximum Marks**
4	4	1+8	7x2	4x14	70
3	**3**	**1+6**	**4x2**	**3x14**	**50**
2	2	1+4	7x1	2x14	35

अनुशंसितग्रन्थाः –

- संस्कृत साहित्य में पर्यावरण विज्ञान,डा.शंकरलाल शास्त्री,हंसा प्रकाशन जयपुर।
- संस्कृत वाङ्मय में पर्यावरण चेतना, प्रो.उमा रानी त्रिपाठी, कला प्रकाशन वाराणसी ।
- प्राचीन संस्कृत साहित्य में पर्यावरण परिशीलन, डा. सञ्जु मिश्रा, अमरग्रन्थ पब्लिकेशन, नई दिल्ली ।

Course wise Content Details for Undergraduate Programme
B.A. Sanskrit (Hon. with Research) (Multidisciplinary)
Multidisciplinary Course (MDC)

Semester	**III**
Name of Course	**श्रीमद्भगवद्गीतायां जीवनप्रबन्धनम्** **(Life Management in Shrimad Bhagavad Gita)**
Course Code	**BA/MD/SKT/3/MDC/201**
Total Credits	**03**
Total Marks	**75**
Internal Assessment	**25**
Theory	**50**
Time	**3 Hrs.**

फलश्रुतिः (Course Objectives)

- श्रीमद्भगवद्गीतायाः दार्शनिकम् आध्यात्मिकं सामाजिकं च महत्त्वस्य ज्ञानसम्पादनम्।
- कार्यनिर्वहणसामर्थ्यसंपादने श्रीमद्भगवद्गीतायाः महत्त्वाबोधनम्।

फलावाप्तिः (Course Learning Outcomes)

- श्रीमद्भगवद्गीतायाः ज्ञानेन व्यक्तित्वनिर्माणे समर्थाः भविष्यन्ति।
- श्रीमद्भगवद्गीतायाः अवबोधेन कर्मणाः महित्वं ज्ञास्यन्ति।

पाठ्यवस्तु (Content)

घटकम् 1. – व्यक्तित्वविकासः - स्पष्टबुद्धिः(18.30-32), अहंभावस्य त्यागः(2.7,8.7, 9.27, 11.55), इन्द्रियेषु नियन्त्रणम्(2.58-59,64), नैतिकमूल्यानां ग्रहणम्(12.11,12.13-19), व्यर्थालापस्य त्यागः (4.11,7.21,9.26), इच्छानां(कामानां) त्यागः(2.71,55), निर्णयक्षमता(18.63), शारीरिकं मानसिकम् अनुशासनञ्च(6.36, 17.14-19)

घटकम् 2. – आत्मनः नित्यता(2.13,20,22,23,15.5,9), ज्ञानस्य महत्त्वञ्च(2.52, 4.38-39,6.42)

घटकम् 3. – संतुलितजीवनरहस्यानि(2.38,48,50,62,63,3.8), कर्मव्यवस्था(2.47,48,3.8,18.5)

प्रश्नपत्रनिर्माणार्थं निर्देशाः-

- **Note for the Paper Setter:** The question paper will consist of seven questions in all. The first question will be compulsory and will consist of four short questions of 2 mark each covering the whole syllabus. In addition, six more questions of 14 marks each will be set unit-wise comprising of two questions from each of the two units. The candidates are required to attempt one compulsory question and two more questions selecting at least one question from each unit.

- प्रश्नपत्रस्य निर्माणं **संस्कृतमाध्यमेन** भवेत्।
- **प्रथम-घटकाश्रिताःप्रश्नाः संस्कृतमाध्यमेन** एव समाधेयाः अन्यथा सर्वथा अङ्कहानिः भविष्यति। अन्ये संस्कृत/हिन्दी/आङ्गलभाषा-माध्यमानां केनापि एकेन माध्यमेन समाधातुं शक्यन्ते।

Course Credits	**Number of units in a course**	**Total questions to be set by the Examiner**	**One compulsory question (parts x marks)**	**For descriptive questions (questions x marks)**	**Maximum Marks**
4	4	1+8	7x2	4x14	70
3	**3**	**1+6**	**4x2**	**3x14**	**50**
2	2	1+4	7x1	2x14	35

अनुशंसितग्रन्थाः –

1. श्रीमद्भगवद्गीता - गीताप्रैस , गोरखपुर ।
2. Management in BhagwadGeeta, Dr.Ashutosh Narayan Misal, Published by A1 VIEW
3. Management Wisdom from The Bhagavad Gita, by Swami ViditatmanandaSaraswati Published by AdhyatmaVidya Mandir
4. Bhagwat Gita (Encyclopedia of Management Principles and Scientific Living), By Priyavadan Desai, Published by BharatiyaVidyaBhavan, 2010.
5. The Gita & Management, by Swami Bodhananda, Published by Srishti Publishers

Course wise Content Details for Undergraduate Programme
B.A. Sanskrit (Hon. with Research) (Multidisciplinary)
Multidisciplinary Course (MDC)

Semester	**III**
Name of Course	**यज्ञविधि-शिक्षणम्**Teaching Method of Yajyan
Course Code	**BA/MD/SKT/3/MDC/202**
Total Credits	**03**
Total Marks	**75**
Internal Assessment	**25**
Presentation	**50**
Time	**3 Hrs.**

फलश्रुतिः (Course Objectives)

- सनातनपद्धत्यानुसारं यज्ञविधिशिक्षणम्

फलावाप्तिः (Course Learning Outcomes)

- वैदिक-यज्ञस्य उपयोगिता महत्त्वं च अवबोधनार्थम् ।

For Presentation/ Practical Exam:

Note: For end term examination, each candidate will be given 30 minutes for Presentation/practical performance as per the following syllabus:

पाठ्यवस्तु (Content)

घटक – 1 यज्ञस्य स्वरूपं प्रकाराश्च, महत्वं, वर्तमानसन्दर्भे प्रासांगिकता इतिहासश्च।

घटक –2 सनातनपद्धत्यानुसारं यज्ञविधिशिक्षणम् – कुण्डनिर्माणम्/वेदीनिर्माणम्, स्वस्तितिलकम्, संकल्पम्, सामान्यपूजनम्, कुण्डस्थ/वेदीस्थदेवताह्वानम्, पञ्चभूसंस्काराः, अग्निस्थापना, कुशकण्डिका, आधाराद्याहुतयः, गणेशाम्बिकयोः/गौर्यादिमातृणाम्/सप्तवशोधारा/नवग्रहाणां/पञ्चलोकपालानां/दशदिक्पालानां/वास्तुमण्डलदेवतानां/कर्म प्रधानदेवानां वा आह्वानं होमश्च, पूर्णाहुतिः आरार्तिकञ्च।

घटक – 3 आर्षपद्धत्यानुसारं यज्ञविधिशिक्षणम् – सम्पूर्णयज्ञविधिः

यज्ञीय-पदार्थानि- गोघृत, ऋतु, अनुकुल-सामग्री, (सुगन्धित, मिष्ट, पुष्टिकारक, औषधीय)।
यज्ञीय-पात्राणि- पात्राणां-परिचयः।

अनुशंसितग्रन्थाः –

- नित्यकर्मपूजाप्रकाशः, गीता प्रैस, गौरखपुर।
- पाण्डित्य पूजा प्रकाश, आचार्य अखिलेश द्विवेदी, राष्ट्रिय संस्कृत महाविद्यालय, मुंबई।
- कर्मकाण्डभास्करः, श्रीरामशर्मा आचार्य, युगनिर्माण योजना विस्तार ट्रस्ट।
- सर्वकर्म अनुष्ठान प्रकाश, प. रमेशचन्द्र मिश्र, मयूरेश प्रकाशन अजमेर।